SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

तत्सम और तद्भव

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

1.उत्पत्ति के आधार पर शब्द के भेद –

प्रत्येक भाषा का विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिससे भाषा में नये-नये शब्दों का निर्माण होता रहता है हिंदी भषा में उत्पत्ति के आधार पर 5 भागों में विभाजित किया गया है

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

उत्पत्ति के आधार पर शब्द के 5 भेद होते हैं -

A. तत्सम शब्द

B. तद्भव शब्द

C. देशज शब्द

D. विदेशी शब्द

E. संकर शब्द

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(A).तत्सम शब्द - जो शब्द संस्कृत से हिंदी भाषा में बिना किसी परिवर्तन के अपना लिये जाते है । उन्हें तत्सम शब्द कहते है ।

(B).तद्भव शब्द - तद्भव शब्द वे शब्द हैं जिनमें थोड़ा सा परिवर्तन करके हिंदी में प्रयुक्त किया जाता हैं ।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचानने के नियम -

(1) तत्सम शब्दों में ' श्र ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' स ' का प्रयोग हो जाता है।

(2) तत्सम शब्दों में ' श ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' स ' का प्रयोग हो जाता है।

(3) तत्सम शब्दों में ' व ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' ब ' का प्रयोग होता है।

(4) तत्सम शब्दों के पीछे ' क्ष ' वर्ण का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों के पीछे ' ख ' या ' छ ' शब्द का प्रयोग होता है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

तत्सम शब्द = तद्भव शब्द के उदाहरण इस प्रकार हैं –

तत्सम = तद्भव
अंक = आँक
अंगुली = ऊँगली
अंचल = आंचल
अगम = अगम्य
आधा = अर्ध
अकस्मात = अचानक
अंगुष्ठ = अंगूठा
अक्षोट = अखरोट
आलस्य = आलस
अज्ञानी = अज्ञानी
अश्रु = आँसू
अक्षर = अच्छर

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

तत्सम = तद्भव
किरण = किरन
कुपुत्र = कपूत
कर्म = काम
काक = कौआ
कपोत = कबूतर
कर्ण = कान
कृषक = किसान
कुम्भकर = कुम्हार
कटु = कडवा
कुक्षी = कोख
क्लेश = कलेश
काष्ठ = काठ
कृष्ण = किसन
कुष्ठ = कोढ़

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

तत्सम = तदभव
चन्द्र = चाँद
चर्म = चमडा
चूर्ण = चूरन
चतुर्विंश = चौबीस
चतुष्कोण = चौकोर
चतुष्पद = चौपाया
चक्रवाक = चकवा
चर्म = चाम
चर्मकार = चमार
चंचु = चोंच
चतुर्थ = चौथा
चैत्र = चैत
चंडिका = चाँदनी
चित्रकार = चितेरा
चिक्कण = चिकना
चवर्ण = चबाना
चक = चाक
छाया = छाँह
छत्र = छाता
छिद्र = छेद

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(C).देशज शब्द –

ऐसे शब्द जो क्षेत्रीय प्रभाव के कारण परिस्थिति या आवश्यकतानुसार बनकर प्रचलित हो गये है , देशज शब्द कहलाते है – जैसे –

गड़बड़ , पगड़ी , पेट , टांग ठेठ आदि |

(D).विदेशज शब्द –

दूसरी भाषा वे शब्द जो परस्पर संपर्क में आकर यहाँ प्रचलित हो गये है विदेशज शब्द कहलाते है |

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अरबी शब्द -

अदा, अजब, अमीर, अक्ल, असर

फारसी शब्द -

अफ़सोस, आबरू, आतिशबाजी, अदा,

तुर्की शब्द –

उर्दू, मुग़ल, आका, काबू, कालीन, कैंची, कुली, कुर्की, चेचक

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

जापानी शब्द - रिक्शा

चीनी शब्द - लीची, चाय

पुर्तगाली शब्द -

आलपीन, आलमारी, बाल्टी

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(E).संकर शब्द – वे शब्द जो दो भिन्न भाषाओँ के शब्दों से मिलकर बनते है , संकर शब्द कहलाते हैं।

जैसे - सलाहकार, घूसखोर, कारीगर, ईदगाह, चरागाह, बंदरगाह, छायादार, हवादार, रोशनदान, सीलबंद, रेलगाड़ी, आरामगाह आदि

उदाहरण –

बम (अंग्रेजी) + वर्षा (हिंदी) = बमवर्षा
रेल (अंग्रेजी) + गाड़ी (हिंदी) = रेलगाड़ी
टिकट (अंग्रेजी) + घर (हिंदी) = टिकटघर
अश्रु (हिंदी) + गैस (अंग्रेजी) = अश्रुगैस

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

उपसर्ग और प्रत्यय -

उपसर्ग - जो शब्दांश किसी मूल शब्द के पहले या आदि में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता उत्पन्न कर देता है उन शब्दों को उपसर्ग कहते हैं। शब्द के पूर्व में जो अक्षर लगाया जाता है उसे उपसर्ग शब्द कहते है।

उपसर्ग = उपसर्ग शब्द + मूल शब्द = नया शब्द

उदाहरण –

हार एक मूल शब्द है जिसके पहले सम् , "प्र" उपसर्ग जोड़ने पर नये शब्दों का निर्माण होता है।

हार = सम् + हार = संहार

हार = प्र + हार = प्रहार

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

उपसर्ग के भेद - उपसर्ग के चार भेद होते है -

1.संस्कृत के उपसर्ग

2.हिन्दी के उपसर्ग

3.उर्दू के उपसर्ग

4.अंग्रेज़ी के उपसर्ग

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

1.संस्कृत के उपसर्ग - संस्कृत के उपसर्गों का प्राय: हिंदी में प्रयोग होता है संस्कृत में 22 उपसर्ग हैं।

उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
अति	अधिक/परे	अतीव, अत्यधिक
अधि	मुख्य/श्रेष्ठ।	अध्यक्ष, अध्यादेश
अनु	पीछे/ समान	अनुच्छेद
अप	विपरीत/बुरा	अपकर्ष, अपेक्षा
अभि	पास/सामने	अभ्युदय, अभ्यास
अव	बुरा/ हीन	अवतार, अवकाश, अवशेष
आ	तक/से	आगम, आमोद, आतप
उत्	ऊपर/ श्रेष्ठ	उज्ज्वल, उदय, उत्तम
उप	समीप	उपवन, उपेक्षा, उपाधि,
दुर्	बुरा/ कठिन	दुरवस्था, दुर्दशा
दुस्	बुरा/ कठिन	दुस्साध्य, दुस्साहस, दुश्शासन

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

2.उर्दू के उपसर्ग -

उपसर्ग	अर्थ	शब्दरूप
अल	निश्चित, अन्तिम	अलविदा, अलबत्ता, अलगरज
ऐन	ठीक	ऐनवक्त
कम	हीन, थोड़ा, अल्प	कमसिन, कमअक्ल, कमज़ोर
खुश	श्रेष्ठता के अर्थ में	खुशबू, खुशनसीब, खुशकिस्मत
ग़ैर	निषेध	ग़ैरहाज़िर, ग़ैरकानूनी, ग़ैरवाजिब
दर	मध्य में	दरअसल, दरहकीकत
ना	अभाव	नापसन्द, नासमझ, नालायक
ब	से, के, में, अनुसार	बनाम, बदस्तूर, बमुश्किल,
बद	बुरा	बदनाम, बदमाश, बदकिस्मत, बदबू, बदह
बर	पर, ऊपर, बाहर	बरकरार, बरवक्त, बरअक्स, बरजम
बा	सहित	बाकायदा, बाकलम, बाइज्जत, बाइन्साफ, बा
बिला	बिना	बिलावजह, बिलालिहाज़, बिलाशक, बिल

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

3.अंग्रेज़ी के उपसर्ग -

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
सब	अधीन	सब-जज सब-कमेटी, सब-इंस्पेक्टर
डिप्टी	सहायक	डिप्टी-कलेक्टर, डिप्टी-रजिस्ट्रार, डिप्टी-मिनिस्टर
वाइस	सहायक	वाइसराय, वाइस-चांसलर, वाइस-प्रेसीडेंट
जनरल	प्रधान	जनरल मैनेजर, जनरल सेक्रेटरी
चीफ़	प्रमुख	चीफ़-मिनिस्टर, चीफ़-इंजीनियर, चीफ़-सेक्रेटरी

4.हिन्दी के उपसर्ग -

उपसर्ग	अर्थ	उपसर्ग से बने शब्द
अन	नहीं	अनबन, अनपढ़, अनजान, अनहोनी, अनमो
अध	आधा	अधपका, अधमरा, अधजला, अधखिला, अधन
उन	एक कम	उनचालीस, उन्नीस, उनतीस, उनसठ, उन्ना
औ	अब	औगुन, औगढ़, औसर, औघट, औतार
पच	पाँच	पचरंगा, पचमेल, पचकूटा, पचमढ़ी
पर	दूसरा	परहित, परदेसी, परजीवी, परकोटा, परलोक
भर	पूरा	भरपेट, भरपूर, भरकम, भरसक, भरमार, भरप
स	सहित	सफल, सबल, सगुण, सजीव, सावधान, सकर्म

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

प्रत्यय -

प्रत्यय दो शब्दों से बना है- प्रति+अय। 'प्रति' का अर्थ 'साथ में, 'पर बाद में' है और 'अय' का अर्थ 'चलने वाला' है। अतएव, 'प्रत्यय' का अर्थ है 'शब्दों के साथ, पर बाद में चलने वाला या लगने वाला। प्रत्यय उपसर्गों की तरह अविकारी शब्दांश है, जो शब्दों के बाद जोड़े जाते है।

प्रत्यय = मूल शब्द + प्रत्यय शब्द = नया शब्द

उदाहरण –

मनुष्यता = मनुष्य + ता

प्रत्यय के भेद - प्रत्यय के दो प्रकार है -

(1) कृत् प्रत्यय

(2) तद्धित प्रत्यय

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(1) कृत् प्रत्यय - क्रिया या धातु के अन्त में प्रयुक्त होनेवाले प्रत्ययों को 'कृत्' प्रत्यय कहते है और उनके मेल से बने शब्द को 'कृदन्त' कहते है।

उदाहरण - लेख् + अक =लेखक। यहाँ अक कृत् प्रत्यय है तथा लेखक कृदंत शब्द है।

प्रत्यय	शब्द\धातु	उदाहरण
अक	लेख्, पाठ्, कृ, गै	लेखक, पाठक, कारक, गायक
अन	पाल्, सह्, ने, चर्	पालन, सहन, नयन, चरण
अना	घट्, तुल्, वंद्, विद्	घटना, तुलना, वन्दना, वेदना
अनीय	मान्, रम्, दृश्, पूज्, श्रु	माननीय, रमणीय, दर्शनीय, पूजनीय, श्रवणीय
आ	सूख, भूल, जाग, पूज	सूखा, भूला, जागा, पूजा, इच्छा, भिक्षा
आई	लड़, सिल, पढ़, चढ़	लड़ाई, सिलाई, पढ़ाई, चढ़ाई
आन	उड़, मिल, दौड़	उड़ान, मिलान, दौड़ान
इ	हर, गिर, दशरथ, माला	हरि, गिरि, दाशरथि, माली

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

न	क्रंद, वंद, मंद, ले	क्रंदन, वंदन, मंदन, लेन
ना	पढ़, लिख, बेल, गा	पढ़ना, लिखना, बेलना, गाना
म	दा, धा	दाम, धाम
य	पंडित	पाण्डित्य, पाश्चात्य, दंत्य, ओष्ठ्य
या	मृग, विद्	मृगया, विद्या
रू	गे	गेरू
वाला	देना, आना, पढ़ना	देनेवाला, आनेवाला, पढ़नेवाला
ऐया	रख, बच, खा	रखैया, बचैया, डटैया, गवैया, खवैया
हार	होना, रखना, खेवना	होनहार, रखनहार, खेवनहार

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

2.तद्धित प्रत्यय -

वे प्रत्यय जो धातु को छोड़कर अन्य शब्दों- संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण में जुड़ते हैं, तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

जैसे- सेठ + आनी = सेठानी। यहाँ आनी तद्धित प्रत्यय हैं तथा सेठानी तद्धितांत शब्द है।

प्रत्यय	शब्द	उदाहरण
आइ	पछताना, जगना	पछताइ, जगाइ
आइन	पण्डित, ठाकुर	पण्डिताइन, ठकुराइन
आई	पण्डित, ठाकुर	पण्डिताई, ठकुराई
आनी	सेठ, नौकर, मथ	सेठानी, नौकरानी, मथानी
आयत	बहुत, पंच, अपना	बहुतायत, पंचायत, अपनायत
आर	लोहा, सोना	लोहार, सुनार
आहट	चिकना, घबरा	चिकनाहट, घबराहट

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

कर	विशेष, ख़ास	विशेषकर, ख़ासकर
का	खट, झट	खटका, झटका
जा	भ्राता, दो	भतीजा, दूजा
त	रंग, संग, खप	रंगत, संगत, खपत
तन	अद्य	अद्यतन
तर	गुरु, श्रेष्ठ	गुरुतर, श्रेष्ठतर
तः	अंश, स्व	अंशतः, स्वतः
ती	कम, बढ़, चढ़	कमती, बढ़ती, चढ़ती